प्रसार भारती
भारतीय प्रसारण निगम
आकाशवाणी केन्द्र शिमला
14.07.2025 / प्रादेशिक समाचार / 15:00बजे

पुनर्वास

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने केंद्र सरकार से आपदा प्रभावित क्षेत्रों में लोगों के पुनर्वास के लिए वन भूमि में घर बनाने की अनुमति देने का आग्रह किया है। एक सोशल मीडिया पोस्ट में मुख्यमंत्री ने कहा है कि आपदा प्रभावित क्षेत्रों में लोगों को सुरक्षित स्थानों पर बसाने के लिए वन भूमि की आवश्यकता है ताकि वहां स्थायी आवास बनाए जा सकें। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने सभी प्रभावितों को ग्रामीण क्षेत्रों में 5 हजार रूपए और शहरी क्षेत्रों में 10 हजार रूपए प्रतिमाह मकान के किराए के रूप में सहायता देने का निर्णय लिया है।

मांडविया

युवा कार्य मंत्रालय 18 से 20 जुलाई तक वाराणसी में तीन दिवसीय युवा आध्यात्मिक शिखर सम्मेलन, विकसित भारत के लिए नशामुक्त युवा का आयोजन करेगा। शिखर सम्मेलन का प्रमुख उद्देश्य युवाओं के नेतृत्व में नशा मुक्ति पहल के लिए व्यापक राष्ट्रीय रणनीति बनाना है। आज नई दिल्ली में केंद्रीय युवा कार्य मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने बताया कि देश के एक सौ आध्यात्मिक संगठनों के लगभग 5 सौ युवा प्रतिनिधि आध्यात्मिक शिखर सम्मेलन में शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन युवाओं के नेतृत्व में नशा मुक्ति आंदोलन का मार्ग प्रशस्त करेगा। मांडविया ने बताया कि 26 जुलाई को बहादुर शहीदों के सम्मान में कारगिल विजय दिवस के अवसर पर कारगिल में विशेष पदयात्रा का आयोजन किया जाएगा।

अवैध कटान

प्रदेश उच्च न्यायालय के आदेश के बाद शिमला जिले में वन भूमि से कब्जे हटाने के लिए वन व राजस्व विभाग ने मुहिम को तेज कर दिया है। कोटखाई और कुमारसैन में वन भूमि पर बने बागीचों में सेब से लदे पेड़ों को काटा गया है जिससे सेब बागवानों की चिंताएं बढ़ गई हैं। हिमाचल प्रदेश सेब उत्पादक संघ और किसान सभा ने सेब कटान की कार्रवाई को अवैज्ञानिक करार दिया है और हाई कोर्ट से अपने फैसले पर पुनर्विचार करने के साथ सरकार से कोर्ट में सही पक्ष रखने की मांग की है। शिमला में आज एक पत्रकार वार्ता में किसान नेता राकेश सिंघा ने कहा कि वन भूमि से कब्जे हटाने के नाम पर प्रदेश के किसानों को उजाड़ने का काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अवैज्ञानिक और अमानवीय तरीके से सेब के पेड़ काटे जा रहे हैं और भारी बारिश के दौरान इस तरह से पेड़ो का कटान होना त्रासदी का कारण बन सकता है। राकेश सिंघा ने राज्य सरकार पर इस संबंध में दोहरा

मापदंड अपनाने का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि बागवान सेब के पौधों के कटान को स्वीकार नहीं करेंगे और इसके खिलाफ जनांदोलन किया जाएगा।

किन्नर कैलाश यात्रा

कल से 30 अगस्त तक चलने वाली किन्नर कैलाश यात्रा के लिए किन्नौर जिला प्रशासन ने पूरी तैयारियां कर ली हैं। जिला उपायुक्त अमित कुमार शर्मा ने बताया कि श्रद्धालुओं के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन और मेडिकल सर्टिफिकेट अनिवार्य किया गया है। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं से प्रशासन द्वारा जारी किए गए दिशा–निर्देशों का पालन करने की अपील की है।

15 जुलाई से हमारी जो किन्नर कैलाश होती है उसकी शुरूआत की जाएगी। इसके लिए जो रजिस्ट्रेशन है वो मेंडेटरी है रजिस्ट्रेशन प्लस जो कंपरलसरी मेडिकल चैकअप है। उसके लिए तांगलिंग एरिया जो हैं जहां हमारे एंटरी प्वाइंट हैं वहां पर सीसीटीवी ऐज वेल ऐज मेडिकल चेकअप के जो सुविधाएं मुहैया करवाई जाएंगी। इसके अलावा जो रजिस्ट्रेशन जरूरी है जो ग्रीन टैक्स जो लोकल पंचायत द्वारा लगाया जा रहा है उसका मकसद यही है कि कहीं न कहीं क्योंकि ये जो एनवायरमेंट है बहुत परेसटीम नेचुरल एनवायरमेंट है। यहां पर सोलिड वेस्ट कूड़ा करकट न फैलाएं उससे बचाव के लिए ग्रीन टैक्स लगाया जा रहा है।

मौसम

प्रदेश के अधिकतर भागों में बीती रात हुई वर्षा के बाद आज अधिकांश भागों में बादल छाए हैं। मौसम विभाग ने आज शिमला, सोलन और सिरमौर ज़िले में वर्षा का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। जबकि मंडी, कुल्लू, किन्नौर, चंबा और लाहौल स्पीति के लिए यैलो अलर्ट घोषित किया गया है। मौसम विभाग ने 17 जुलाई तक राज्य के अनेक स्थानों पर भारी वर्षा की संभावना जताई है। इस बीच प्रदेश में मॉनसून सीज़न के दौरान अब तक 98 लोगों की मौत हुई है। जबकि एक सौ 78 लोग घायल हुए हैं। बाढ़ व बादल फटने की घटनाओं में विभिन्न स्थानों पर 34 लोग लापता बताए जा रहे हैं। राज्य आपातकालीन परिचालन केन्द्र के अनुसार सैंकड़ों सड़कें और 7 सौ 87 पेयजल योजनाएं ठप्प हैं।